

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	00
1. अमृतवेले सर्वशक्तियों से फुलचार्ज हुए ?																															
2. मुरली एकाग्रचित हो सुनने का रस लिया?																															
3. व्यवहार में सरलता, बोल में मिठास रही?																															
4. बार-बार स्वमान का अभ्यास किया?																															
5. दिन में 8 बार अशरीरीपन की अनुभूति की?																															

चलते-फिरते प्रैक्टिस :-

मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

विशेष अभ्यास - मैं आत्मा देह से निकली, परमधाम में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड होकर फुलचार्ज हुई, फिर वापस अपनी देह में, फिर ऊपर बाबा के पास, फिर वापस अपनी देह में..... यह प्रैक्टिस बार-बार करनी है।

जून 2019 के लिए मनसा सेवा योगाभ्यास.....

1. मैं पूज्य पवित्र आत्मा हूँ।
2. मैं परम पवित्र आत्मा हूँ।
3. मैं पवित्रता का सूर्य हूँ।
4. मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ।
5. मैं पवित्रता का लाइट माइट हाउस हूँ।
6. मैं पवित्र वायब्रेशन फैलाने वाली आत्मा हूँ।
7. मैं आत्मा पवित्रता का स्तंभ हूँ।
8. मैं परम पवित्र फरिश्ता हूँ।
9. मैं सम्पूर्ण निर्विकारी आत्मा हूँ।
10. मैं फरिश्ता पवित्रता का अवतार हूँ।

11. मैं पवित्र किरणें फैलाने वाला फरिश्ता हूँ।
12. मैं रूहानियत से संपन्न फरिश्ता हूँ।
13. मैं चलती फिरती शान्ति की मूर्ति हूँ।
14. मैं परमात्म प्यार में लीन आत्मा हूँ।
15. मैं शुभ कामना संपन्न आत्मा हूँ।
16. मैं फरिश्ता लाइट हाउस माइट हाउस हूँ।
17. मैं प्रकृति को पावन बनाने वाला फरिश्ता हूँ।
18. मैं प्रकाशमय कायाधारी फरिश्ता हूँ।
19. मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ।
20. मैं फरिश्ता अव्यक्त वतनवासी हूँ।
21. मैं इस देह में अवतरित फरिश्ता हूँ।

22. मैं फरिश्ता देह से न्यारा हूँ।
23. मैं सकाशदाता फरिश्ता हूँ।
24. मैं विश्वकल्याणकारी फरिश्ता हूँ।
25. मैं शान्तिदाता फरिश्ता हूँ।
26. मैं आत्मा सर्वशक्तियों से फुलचार्ज हूँ।
27. मैं मास्टर बीजरूप आत्मा हूँ।
28. मैं आत्मा मास्टर दुःखहर्ता, सुखकर्ता हूँ।
29. मैं इस पुरानी देह में मेहमान आत्मा हूँ।
30. मैं संपूर्ण तृप्त आत्मा हूँ।

ओम् शान्ति